

भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल
माह जनवरी – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 जनवरी

मं० शु० बु०	श०
11 1 सू० 9	8 9
12 के०	रा० 6
च०	3
1	5
2	बृ० 4

मेषः— चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ



माह की शुरुवात के साथ शानि और चन्द्रमा मे षडाष्टक योग के चलते शीत विकार, ज्वर, कफ से जुड़ी बीमारियों के शिकार बने रहेंगे। राजद्वारीय मामलो मे सफलता के नवीनतम सूत्र स्थापित रहेंगे। अनायास अनचाही यात्रायें भी प्रभावित करेंगी। खर्च के अधिकाधिक श्रोत निर्धारित होते प्रतीत होंगे। ग्रहस्थ जीवन के प्रति भी मनः स्थिति प्रभावित होती सिद्ध होगी। निर्माण क्षेत्र से जुड़े हुये क्रिया-कलापों मे संलग्नता बरकरार रहेगी। विरोधियों पर दबाव बनाने मे कामयाब रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये हुनमान जी के द्वादश नाम का जप करें। तारीख 3, 4, 5, 11, 12, 14, 15 बेहतरी की ओर अग्रसर होंगी।

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो



ग्रहस्थ जीवन मे उठ रहे घमासान को रोक पाना चुनौतीपूर्ण कार्य सिद्ध होगा। यात्रा के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बरतना हितकर रहेगा। इस माह खान-पान व्यवस्था भी प्रभावित रहेगी। आय और व्यय मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित रहेगा। ईश्वर अराधना के प्रति मनः स्थिति प्रभावित होगी। विरोधियों की बढ़ रही लगातार संख्या मानसिक अशान्ति का वातावरण बना सकती है। उच्च शिक्षा से जुड़ी हुयी गतिविधियां अन्जाम तक पहुंचेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार का व्रत करें लाभ मिलेगा। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 14, 15, उत्तम सूचक प्रतीत होंगी।

मिथुनः— का, की, कू, के, को, हो, घ, ड़, छ



सप्ताह की शुरुवात गीत-संगीतमय वातावरण के लिये बेहतरीन रहेगा। माह भर विरोधियों पर दबाव स्थापित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। निर्माण कार्यो मे आपकी लगातार भागीदारी सुनिश्चित होगी। यात्रा के दौरान सतर्कता की भी आवश्यकता होगी। समय-समय पर जीवन संगिनी के साथ तीखी-मीठी नोंक-झोंक भी हो सकती है। राजकीय क्रिया-कलाप अनायास ही भागदौड़ की स्थितियां निर्मित करेंगे। कुटुम्ब के सदस्यों के प्रति मायामोह का विस्तार होगा। अनायास निर्णय लेने की प्रवृत्तियां तकलीफदेय रहेंगी। भगवान भोलेनाथ की अराधना करें लाभ मिलेगा। तारीख 4, 5, 8, 9, 10, 15, 16, 17 शुभकारक सिद्ध होगी।

कर्कः— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो



किसी न किसी रूप में आपका मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। प्राविधिक शिक्षा की दिशा में किये गये प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर रहेंगे। माह के पहले सप्ताह में स्त्रीपक्ष की सहयोग से राजकीय मामलों में प्रगति पथ निर्धारित होंगे। अनायास ही धार्मिक कार्यों में आपकी संलग्नता बरकरार रहेगी। संतान पक्ष का स्वास्थ्य मानसिक संताप बड़ाने वाला सिद्ध हो सकता है। खान-पान में मिष्ठान तथा तरल पदार्थों का सेवन रुचिकर प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये प्रदोष का व्रत करें लाभान्वित रहेंगे। तारीख 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20 प्रगति का अहसास कराने वाली होंगी।

सिंहः— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे



शुभ सूचक क्रिया-कलाप अतिरिक्त व्यय भार की सीमा निर्धारित करेंगे। सर्दी-गर्मी का मिश्रित मौसम स्वास्थ्य शिथिल होने का कारण बन सकता है। भागदौड़ भरा वातावरण मानसिक तनाव की रूपरेखा निर्धारित करेगा। विपक्षियों के साथ भी मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। न्यायालय से जुड़े हुये कामकाज अवरोधों की भेंट चढ़ेंगे। पठन-पाठन कार्यक्रमों में आंशिक सफलता प्राप्त हागी। माह का प्रथम सप्ताह बेहतरी की ओर अग्रसर प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये प्रातः काल में सूर्यान्जली देना हितकर सिद्ध होगा। तारीख 8, 9, 10, 13, 14, 15, 20, 21, 22 उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर रहेगी।

कन्या:— टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ



हास—परिहास, मनोरंजन आदि के लिये यह माह बेहतरी का अहसास करा सकता है। सामाजिक सुख्याति के विभिन्न सुअवसर प्राप्त रहेंगे। आपके संतान पक्ष भी माह भर घुमक्कड़ प्रवृत्तियों के शिकार बने रहेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। दौड़—धूप भरे माह में यात्राओं का सिलसिला थमता नहीं प्रतीत होगा। माह का दूसरा सप्ताह धन लाभ के दृष्टिकोण से उत्तम है। समय—समय पर रक्तचाप की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ बुधाय नमः मन्त्र का 108 बार जप करें लाभ प्राप्त होगा। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13 सफलता कारक प्रतीत होगी।

तुला:— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



माह के प्रारम्भ के सप्ताह घरेलू जीवन में बेहतरीन भूमिका अदा करेगा। व्यवसायिक कार्य योजनाओं को विस्तार रूप देने के प्रयासों को बल मिलेगा। वाणी में चिड़चिड़ेपन की समाविष्ट के चलते पारिवारिक सदस्यों से वैचारिक मतभेद की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। माह का द्वितीय सप्ताह राजकीय कामकाजों की गतिशीलता का सूचक सिद्ध होगा। राजनैतिक क्रिया—कलापों से बेहतर परिणाम प्राप्त होने की आशा है। साहसिक निर्णय लेने की प्रवृत्तियां बढ़ेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार को कन्या भोजन कराये लाभ मिलेगा। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 15 उन्नतिशील प्रतीत होगी।

वृश्चिकः— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू



आलस्य छोड़कर कर्मक्षेत्र में मजबूती के साथ डटे रहें प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। शत्रुओं के साथ भी समझौतावादी नीतियां बेहतर परिणामदायक प्रतीत होंगी। मित्रों, सहयोगियों को अपने साथ किसी न किसी रूप में जोड़े रखने की कला अग्रसर रहेगी। अनायास किसी धार्मिक यात्रा के सुअवसर प्राप्त होंगे। बोलचाल की भाषा में कठोरता की समाविष्टि रहेगी। आर्थिक मामले में समझदारी से काम करें। अरिष्ट निवारण के लिये हनुमान जी की उपासना करें। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 शुभ है।

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ



एकत्रित खर्च के अधिकाधिक प्रकरण मन मलीनता का वातावरण बनायेंगे। किसी न किसी रूप में संतान पक्ष कष्टों के शिकार बने रहेंगे। कुटुम्ब के सदस्यों के उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहना हितकर होगा। धर्म-कर्म से जुड़े मामलों में आपकी संलग्नता ख्याति प्रद वातावरण निर्मित करेगी। किसी नवीन व्यवसाय में पूंजी निवेश अहितकर सिद्ध होगा। आवेश में लिये गये निर्णय आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पति जी का व्रत करें कल्याण होगा। तारीख 3, 4, 5, 11, 12, 13, 14, 15 सुखदपूर्ण अहसास कराने वाली सिद्ध होगी।

मकर:— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी



जीवन संगिनी के साथ माह भर बेहतरीन सन्तुलन स्थापित रहेगा। धर्म अध्यात्म से जुड़े कारोबार में उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। अनचाही यात्रायें व्यय भार की अतिरिक्त श्रोत उत्पन्न कर सकती हैं। अनायास राजनैतिक मित्रों, साथियों आदि से मुलाकात का हर्ष रहेगा। माह भर आपको धार्मिकता से भरा माहौल प्रभावित रखेगा। वित्तीय कार्य योजनायें सरलता के साथ अन्जाम तक पहुँच सकती हैं। भूमि मकान वाहन से जुड़े मामलों में उन्नति होगी। अरिष्ट निवारण के लिये शनिजी का शनिवार को व्रत करें। तारीख 6, 7, 8, 13, 14, 15, 16, 17 प्रगतिशील स्थितियाँ निर्मित होंगी।

कुम्भ:— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द



अनायास पारिवारिक सदस्यों के स्वास्थ्य के प्रति चिन्तायें बढ़ती प्रतीत होंगी। आय और व्यय में कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित रहेगा। जिन्दगी की भागमभाग भरी जिन्दगी के अकारण शिकार बने रहेंगे। राजकीय क्रिया-कलापों के प्रति लापरवाही ठीक नहीं होगी। स्त्री पक्ष के सहयोग के चलते प्रथम सप्ताह में राहत प्रतीत होगी। शत्रु संख्या में लगातार वृद्धि के शिकार बनेंगे। अनायास होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति सतर्क रहें। अरिष्ट निवारण के लिये शनि मन्त्र जप करें। तारीख 1, 6, 7, 8, 9, 10 बेहतर रहेगी।

मीनः— दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची



धनलाभ से जुड़े हुये क्रिया—कलाप सरलता से अन्जाम तक पहुंचेंगे। स्त्री मित्र मंडली विशेष कारगर परिणामदायक सिद्ध होगी। राजद्वारीय मामलो मे आशानुकूल सफलता प्राप्त करने मे सफल सिद्ध हो कसते हैं। आपकी धार्मिक आस्था धार्मिक अनास्था मे परिवर्तत होगी। स्वास्थ्य की शिथिलता की वजह से वाणी मे चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि प्रतीत होगी। परिवार मे किसी मांगलिक कार्य के सम्पन्न होने का पूर्ण योग है। दूसरे सप्ताह मे कई कार्यो के बनने का योग है। अरिष्ट निवारण के लिये केले के वृक्ष मे जल चढ़ायें। तारीख 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 शुभ कारक सिद्ध होगी।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः—

- 1- पुत्रदा एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम्, सोमपदा एकादशी, मन्वादि एकादशी, 01 जनवरी, बृहस्पतिवार।
- 2- कूर्म द्वादशी, प्रदोष द्वादशी, 02 जनवरी, शुक्रवार।
- 3- व्रताय पूर्णिमा, मु0 पर्व बारावफात, 04 जनवरी, रविवार।
- 4- स्नान दानादौ, पूर्णिमा, शाकम्भरी जयन्ती, पौषी पूर्णिमा, 05 जनवरी, सोमवार।
- 5- संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 17 मिनट पर, 08 जनवरी, बृहस्पतिवार।
- 6- मु0 पर्व इदै मौलाद, 09 जनवरी, शुक्रवार।
- 7- सर्वाप्ति सप्तमी, रामानन्दाचार्य जयन्ती, स्वामी विवेकानन्द जयन्ती, 12 जनवरी, सोमवार।
- 8- मकर सन्क्रान्ति, खिचड़ी पर्व, 15 जनवरी, बृहस्पतिवार।
- 9- षटतिला एकादशी व्रतम्, 16 जनवरी, शुक्रवार।
- 10- स्नानदान श्रद्धादौ अमावस्या, मौनी अमावस्या, 20 जनवरी, मंगलवार।
- 11- वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, तिल चतुर्थी, 23 जनवरी, शक्रवार।
- 12- सोमप्रदा चतुर्थी, बसन्त पंचमी, 24 जनवरी, शनिवार।
- 13- जया एकादशी व्रतम्, शहीद दिवस, भैमी एकादशी, 30 जनवरी, शुक्रवार।
- 14- भीष्म द्वादशी, तिल द्वादशी, वाराह द्वादशी, 31 जनवरी, शनिवार।

भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल
माह फरवरी – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 जनवरी

मं० शु०				
12	11	सू० 10	9	8
के०		बु०		श०
	1		7	
1		बृ० 4		रा० 6
	च० 3		5	

मेघः— चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ



माह का प्रथम तथा द्वितीय सप्ताह राजकीय कार्यों के लिये अति उत्तम प्रतीत होगा। यात्रा के दौरान अतिरिक्त सतर्कता बेहतर रहेगी। ग्रहस्थ जीवन में तीखी मीठी आंशिक तकरार भी जारी रहेगी। मित्रों सहयोगियों आदि से आपका जन सम्पर्क बना रहेगा। विरोधियों पर आपकी शमनात्मक कार्यवाही कारगर कदम सिद्ध होगी। प्रथम सप्ताह में भागदौड़ के अधिकाधिक प्रसंग एकत्रित होंगे। व्यवसायिक मामलों में आंशिक लाभ की स्थिति बनी रहेगी। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ हंहुनुमते नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11 शुभ है।

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो



वाणी में चिड़चिड़ेपन की समाविष्टि के चलते परिजनो से वैचारिक मतभेद की स्थिति आयेंगी। उच्च शिक्षा से जुड़ी हुयी गतिविधियां सरलता के साथ अन्जाम तक पहुंच जायेंगी। जीवन साथी की सोच में हो रहा परिवर्तन ग्रहस्थ आश्रम को तकलीफ में डाल सकता है। किसी भी नवीन व्यापार में धीरे-धीरे ही लाभ की उम्मीद करना हितकर होगा। राजद्वारीय मामलों में आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। ईश्वर अराधना के प्रति उदासीनता का भाव प्रदर्शित होगा। अनायास कोई रुका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ शुक्राय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें लाभ मिलेगा। तारीख 2, 3, 4, 9, 10, 11, 12, 13, 14 प्रगति कारक सिद्ध होगी।

मिथुन:- का, की, कू, के, को, हो, घ, ङ, छ



माह का प्रथम सप्ताह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बेहतर है। मानसिक रूप से आडम्बर विहीन धार्मिक आस्था के पक्षधर रहेंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ माह भर बेहतर तालमेल स्थापित रहेंगे। अनायास राजकीय मामलो मे उत्थान पथ की ओर अग्रसर रहेंगे। माह का तृतीय सप्ताह व्यवसायिक कार्य योजनाओं के लिये हितकर सिद्ध होगा। ग्रहस्थ जीवन से जुड़ी हुयी समस्याओं का समाधान भी सरलता से होता प्रतीत होगा। विपक्षियों पर आपकी आक्रामक शैली कारगर सिद्ध होगी। धन लाभ के भी बेहतरीन सुअवसर प्राप्त होते रहेंगे। इस माह मे भागदौड़ से जुड़ी गतिविधयां परेशान करेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये नित्य तुलसीदल का सेवन किसी न किसी रूप मे करें। तारीख 1, 2, 4, 5, 12, 13, 14 शुभकारक प्रतीत होगी।

कर्क:- ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो



भागदौड़ के अधिकाधिक एकत्रित प्रकरण शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का वातावरण बनायेंगे। जीवन संगिनी की तीखी भाषा शैली आपको मर्माहत कर सकती है। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणामों से अधिक उम्मीद न रखना ही बेहतर होगा। संतान पक्ष की काम करने वाली उदासीनता भरी कार्यशैली तकलीफदेय सिद्ध होगी। व्यवसाय मे किसी भी तरह का अतिरिक्त पूंजी निवेश न करना उत्तम होगा। माह का तृतीय सप्ताह तमाम महत्वपूर्ण मामलो मे राहत देता प्रतीत हो सकता है। आपके लिये इस माह ईश्वर अराधना हितकर है। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ सोम सोमाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें हितकर रहेगा। तारीख 2, 3, 4, 7, 8, 14, 15, 16 शुभ सूचक है।

सिंह:- मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे



माह की शुरुवात आय और व्यय मे असंतुलन कारक सिद्ध होगी। अनायास निर्णय लेने की प्रवृत्तियां परिजनों से विरोधाभाष की जन्मदाता बन सकती हैं। ग्रहस्थ आश्रम से जुड़े हुये कामकाजों मे विघ्न बाधाये उपस्थित होंगी। पेट सम्बन्धी रोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। यात्रा के दौरान यातायात के नियमों का पालन कड़ाई के साथ करें बेहतर होगा। विधिक सेवा से जुड़े हुये मामलो मे अधिक लाभ की उम्मीद न करना हितकर सिद्ध होगा। माह के प्रथम सप्ताह मे स्त्री पक्ष से अधिकाधिक सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। अंतिम सप्ताह राजकीय मामलो मे राहत कारक होगा। अरिष्ट निवारण के लिये रविवार को गाय को गुड़ खिलाये लाभान्वित रहेंगे। तारीख 4, 5, 6, 9, 10, 11, 16, 17, 18 उत्तम सूचक सिद्ध होंगी।

कन्या:- टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ



अनायास निर्णय लेने की प्रवृत्तियां आप पर लगातार हावी रहेंगी। राजनैतिक, कूटनैतिक क्रिया-कलापों से लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। विरोधियों पर आपका लगातार दबाव बना रहेगा। समय-समय पर उदर विकार, ज्वर आदि से शारीरिक कष्ट भी मिल सकता है। उच्च कक्षा एवं प्रतिष्ठित लोगों से आपका जनसम्पर्क लगातार बढ़ता प्रतीत होगा। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव सुखदपूर्ण अहसास करायेंगे। महिला मित्र मण्डली से आशानुकूल सहयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। मौसम के बगड़ते मिजाज के चलते शारीरिक कष्ट मिलता दिखाई देगा। इस माह विपरीत राजयोग के चलते कई महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये बुध ग्रह से सम्बन्धित कोई भी वस्तु मुफ्त मे न लें। तारीख 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9, 12, 13 उत्तम है।

तुला:— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



माह का प्रथम सप्ताह राजकीय कामकाज की दशा और दिशा निर्धारित करेगा। भूमि, मकान, वाहन आदि से जुड़े मामलो में अवरोध की स्थिति आयेगी। संतान पक्ष की बातचीत में तीखापन आपकी मानसिक परेशानी बढ़ाने वाला सिद्ध होगा। आय और व्यय में सन्तुलन स्थापित कर पाना चुनौतीपूर्ण कार्य साबित हो सकता है। निरर्थक की यात्रायें मनःस्थिति को प्रभावित करेंगी। माह का तृतीय सप्ताह शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में बेहतर है। समय-समय पर हास-परिहास की स्थितियां भी आयेंगी। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव सामान्य होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ भार्गवाय नमः मन्त्र जप करें बेहतर रहेगा। तारीख 4, 5, 6, 9, 10, 11, 14, 15, 16 बेहतरी का अहसास कराने वाली सिद्ध होगी।

वृश्चिक:— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू



आपकी अपनी स्वयं की सोच ही मानसिक परेशानी बढ़ाने वाली प्रतीत होगी। साहसिक निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। मित्रों, सहयोगियों आदि से आंशिक लाभ प्राप्त करने की स्थिति आयेगी। धार्मिक क्रिया-कलापों में आपकी संलग्नता आपके मनोबल को बढ़ाये रखेगी। अनायास आपकी मानसिक सोच की परिवर्तनशीलता आपको तथा आपके कुटुम्ब के सदस्यों को प्रभावित कर सकती है। सामाजिक सुख्याति से जुड़े हुये मामलो में आंशिक लाभ का वातावरण बनता प्रतीत होगा। मानसिक रूप से किसी भी विवादित विषय पर दण्डात्मक कार्यवाही के पक्षधर रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये गाय को नित्य गुड़ खिलायें लाभ मिलेगा। तारीख 7, 8, 9, 12, 13, 14, 17, 18 उत्तम है।

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ



माह के प्रथम सप्ताह में जीवन साथी के साथ मधुरतम पलों का बेहतर सदुपयोग होगा। खान-पान में पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन बढ़ सकता है। लाभ और खर्च के मध्य असंतुलन मानसिक परेशानी का वातावरण बनायेगा। कष्ट कारक यात्रा प्रकरणों की अधिकता भी प्रतीत होगी। कठोरतम भाषा-शैली के प्रयोग से बचना पारिवारिक जीवन के लिये आवश्यक है। गम्भीर विषय के अध्ययन के चेष्टायें मन से बाहर आ सकती हैं। प्रथम सप्ताह में व्यवसायिक कार्य योजनाओं को गतिशील बनाये रखने के प्रयासों को बल मिलेगा। राजनैतिक व्यक्तियों से जनसम्पर्क बढ़ेगा। अरिष्ट निवारण के लिये पीले वस्त्र धारण करें लाभ प्राप्त होगा। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 14, 15, 16 प्रगतिकारक प्रतीत होगी।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी



माह की शुरुवात में आपकी राशि पर बन रहा विपरीत राजयोग आपके कई मनोरथों को पूरा करने वाला साबित होगा। गृहिणी के साथ बेहतर तालमेल स्थापित रहेंगे। खान-पान व्यवस्था में सादगीपूर्ण भोजन ही रास आयेगा। अनायास ही एकत्रित हो रहे धार्मिक अवसर मन को प्रसन्न करने वाले सिद्ध होंगे। व्यापार में आ रही कठिनाइयों का सरलता के साथ समाधान निकलता प्रतीत होगा। आपके कार्य-कलापों के चलते विरोधी भी आपसे समझौता करने के लिये विवश होंगे। बाचतीच में सावधानी बरतकर कुटुम्ब के सदस्यों का मन जीत सकते हैं। धनलाभ सम्बन्धी कार्य योजनायें नये परवान चढ़ेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये शनिवार को किसी बुजुर्ग व्यक्ति की सेवा करें लाभ मिलेगा। तारीख 9, 10, 11, 12, 13, 14, 16, 17, 18 शुभसूचक सिद्ध होगी।

कुम्भ:- गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द



राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष चरम सीमा रेखा पार कर सकता है। रक्त विकार, रक्तचाप से जुड़ी हुयी बीमारियों के शिकार बने रहेंगे। मौसम का बदलता मिजाज भी तकलीफदेय साबित होगा। माह के पहले सप्ताह में घरेलू घमासान किसी तरह थमा रहेगा। व्यायासिक कार्यक्रम धीरे-धीरे आगे बढ़ते प्रतीत होंगे। माह के दूसरे सप्ताह में कर्मयोगी बने रहे तो आंशिक लाभ की स्थितियां बन सकती हैं। तीसरे सप्ताह में भागदौड़ के प्रकरणों की अधिकता रहेगी। आय और व्यय में तालमेल बैठाने में कठिनाइयां आयेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये घोड़े की नाल से निर्मित छल्ला धारण करें लाभ रहेगा। तारीख 1, 2, 7, 9, 11, 13, 14, 49, 21, 23 लाभकारक सिद्ध होगी।

मीन:- दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची



माह के प्रथम सप्ताह में कई प्रकार की समस्याओं का इजाफा हो सकता है। अनायास ही परिवारिक सदस्यों के मध्य परेशानी का वातारण बनायेंगे। आमोद-प्रमोद के संसाधन एकत्रित करने के प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर रहेंगे। प्रबल धार्मिकता की सोच के चलते किसी मंदिर, देवालय आदि के दर्शन कर सकते हैं। माह के प्रथम सप्ताह में राजकीय कार्यों में प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। धनागम सम्बन्धी कार्य योजनायें भी विस्तार रूप ले सकती हैं। निर्णय लेने में जटिलताओं का विशेष ध्यान रखना भी अतिआवश्यक है। अरिष्ट निवारण के लिये बृहस्पतिवार को ॐ येँ क्लीं वाचस्पतये नमः मन्त्र का जप करें। तारीख 3, 4, 7, 8, 9, 11, 12, 13, 18, 19, 20 उत्तम सूचक प्रतीत होंगी।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहारः-

- 1- प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, कल्यादि त्रयोदशी, ग्यारहवी शरीफ, 01 फरवरी, रविवार ।
- 2- स्नान दानादि की माघी पूर्णिमा, सन्त रविदास जयन्ती, 03 फरवरी, मंगलवार ।
- 3- संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 41 मिनट पर, 07 फरवरी, शनिवार ।
- 4- जनकी जयन्ती अष्टमी, अष्टका श्राद्धम, 12 फरवरी, बृहस्पतिवार ।
- 5- समर्थ गुरु रामदास जयन्ती, अन्वष्टका आश्रम, 13 फरवरी, शुक्रवार ।
- 6- विजया एकादशी व्रतम सर्वेषाम, 15 फरवरी, रविवार ।
- 7- महाशिवरात्रि व्रतम्, श्री वैधनाथ जयन्ती, 17 फरवरी, मंगलवार ।
- 8- स्नानदान श्राद्ध की अमावस्या, महाशिवरात्रि व्रत का पारण प्रातः 08 बजकर 46 मिनट तक, 18 फरवरी, बुधवार ।
- 9- रविवती वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, 22 फरवरी, रविवार ।
- 10- अर्कपुट सप्तमी, कामदा सप्तमी, कल्याण सप्तमी 25 फरवरी, बुधवार ।
- 11- फागुदसमी, लट्ठमार होली (नन्दगांव) 28 फरवरी, शनिवार ।

भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह मार्च – 2015

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01 मार्च

के० मं० शु०	बु०
1 12 सू० 11 10 9	
2 श० 8	
च० 5 7	
3 4 6	
बृ० रा०	

मेषः— चू, चे, चो, ला, ली, लू, लो, अ



व्यय भार के एकत्रित अतिरिक्त प्रकरण मन मलीनता का वातावरण निर्मित करेंगे। माह के प्रथम सप्ताह में उच्च शिक्षा की दिशा में प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। मित्रो, सहयोगियों आदि का सहयोग अधिकाधिक प्राप्त कर सकते हैं। सच और झूठ की कसौटी सत्य पक्ष के ही मानसिक रूप से पक्षधर रहेंगे। शनि और चन्द्रमा में षडाष्टक योग शारीरिक पीड़ा की ओर संकेत करते हैं। लाभ और खर्च के मध्य का असंतुलन परेशान करेगा। ग्रहस्थ आश्रम से जुड़ी गतिविधियां अति सामान्य रहेंगी। खान-पान व्यवस्था में परिवर्तनशीलता भी संभावित है। यात्रा के एकत्रित हो रहे विभिन्न प्रकरण अल्प लाभकारक प्रतीत होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ मानदाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें लाभ होगा। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 11, 15, 16, 17 उत्तम है।

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो



जीवन संगिनी की कार्यशैली तथा सुस्त रफ्तार के चलते घर ग्रहस्थी सम्बन्धी कार्य प्रभावित होंगे। धार्मिक क्रिया-कलापों के प्रति उदासीनता का रुख रहेगा। मौसम के बदलते मिजाज से जुड़ी बीमारियों के शिकार बने रहेंगे। माह का द्वितीय सप्ताह व्यापारिक कार्यक्रमों के दृष्टिकोण से लाभकारक सिद्ध होगा। राजकीय मामलों में पूरा माह बेहतर परिणाम देता दिखाई देगा। गीत-संगीत से सजा वातावरण बेहद सुखद पूर्ण अनुभवों की उत्पत्ति करेगा। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ श्रेष्ठाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें उन्नति होगी। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 11, 13 शुभकारक होगी।

मिथुन:— का, की, कू, के, को, हो, घ, ड़, छ



माह की शुरुवात स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से अति उत्तम है। उच्च डिग्री प्राप्त करने का उपक्रम भी इस माह में बेहतर है। कुटुम्ब के सदस्यों की समस्याओं का सरलता के साथ समाधान निकालने में सक्षम सिद्ध होंगे। उदर विकार की समस्या से ग्रस्त हो सकते हैं। भगवान भक्ति के मामले में उदासीनता का रुख रहेगा। दूरस्थ यात्रा के प्रकरण भी आयेंगे। ग्रहस्थ जीवन सामान्य ढंग से चलता-फिरता प्रतीत होगा। आंशिक कठिनाइयों के साथ राजद्वारीय मामले में आशानुकूल परिणाम प्राप्त करने में सफल रहेंगे। स्वच्छतम तरीके से धनागम की स्थितियां लगातार बनती प्रतीत होंगी। भूमि क्रय-विक्रय से जुड़े मामले लाभ मार्ग की ओर अग्रसर रहेंगे। अरिष्ट निवारण के लिये बुधवार को गाय को हरी घास खिलायें लाभ प्राप्त होगा। तारीख 4, 5, 6, 11, 12, 13, 14, 15 प्रगतिसूचक है।

कर्क:— ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो



जीवन साथी के साथ बिगड़ते हुये रिश्तों में राहत कारक वातावरण निर्मित होगा। अनचाहे खर्च की राहें बनती प्रतीत होंगी। भागदौड़ की अधिकता के चलते शारीरिक एवं मानसिक कष्ट के शिकार बने रहेंगे। प्राविधिक उच्च शिक्षा से जुड़े हुये क्रिया-कलाप सार्थक मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। अपनी स्वयं की सोच को सार्थक मार्ग की ओर अग्रसारित करें मानसिक परेशानी से बचे रहेंगे। वाद-विवाद की स्थिति में समझदारी से काम करें बेहतर होगा। यदि आप धार्मिक कार्यों से जुड़े व्यवसाय से जुड़े हैं तो लाभान्वित रहेंगे। माह के द्वितीय सप्ताह में संतान पक्ष को शारीरिक कष्ट मिल सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये नित्य रात्रि में दूध न पियें लाभ मिलेगा। तारीख 6, 7, 8, 13, 14, 15, 16, 17 बेहतरी का अहसास बनायेगी।

सिंह:— मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे



अनायास एकत्रित हो रहे खर्च के प्रकरण ऋणग्रस्त होने की स्थिति तक पहुंच सकते हैं। अभिभावकगणों का स्वास्थ्य भी आपकी मानसिक परेशानी का कारण बनेगा। विरोधियों के साथ आपकी समझौतावादी नीतियां विरोध कम करने में कारगर सिद्ध होंगी। यात्रा के दौरान अति सतर्कता बरतना हितकर होगा। ग्रहस्थ जीवन में भी तीखी-मीठी नोंक-झोंक के लिये मानसिक रूप से तैयार रहना हितकर होगा। मांगलिक कार्यों में इस माह विघ्न बाधाओं के शिकार बने रहेंगे। माह का प्रथम सप्ताह भागदौड़ भरा तथा खर्चीला सिद्ध होगा। माह के अंतिम सप्ताह राजकीय कामकाज के लिये बेहतरी का अहसास करायेगा। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ अनन्ताय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें लाभान्वित रहेंगे। तारीख 3, 4, 5, 9, 10, 11, 15, 16, 17 प्रगतिसूचक होंगी।

कन्या:— टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ



विपरीत सेक्स के प्रति आपका लगातार आकर्षण बढ़ता स्वयं को प्रतीत होगा। माह का प्रथम सप्ताह वित्तीय मामलों में प्रभावशाली भूमिका दर्ज करा सकता है। राजकाज से जुड़े हुये मामले सुगमता के साथ पूर्ण होते प्रतीत होंगे। घर ग्रहस्थी से जुड़े कामकाज व्यवधानों की भेंट चढ़ सकते हैं। यह माह किसी नवीन व्यापार में पूंजी निवेश के दृष्टिकोण से उत्तम नहीं है। अनायास फ़ैसले लेने की प्रवृत्तियां समय-समय पर आपको तकलीफ में डाल सकती हैं। माह का दूसरा सप्ताह सहयोगियों, मित्रों आदि से बेहतर सामन्जस्य कारक सिद्ध होगा। धार्मिक साहित्य के अध्ययन की जिज्ञासा बढ़ सकती है। अरिष्ट निवारण के लिये ॐ चपलाय नमः मन्त्र का प्रतिदिन जप करें उन्नति होगी। तारीख 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19 उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर करेगी।

तुला:— रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते



यात्रा प्रकरणों से सार्थक तथा निरर्थक दोनों तरह के परिणाम प्राप्त होंगे। कुटुम्ब के सदस्यों के साथ स्पष्टवादी शैली में ही बात करें अन्यथा वैचारिक मतभेद की स्थिति के शिकार होंगे। विधिक सेवा से जुड़े मामलों में लाभदायक प्रकरण निर्मित होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किये गये प्रयास आंशिक परिणामदायक सिद्ध होंगे। खान-पान में सावधानी बरतकर कब्ज, गैस आदि रोगों से अपने आप को बचा सकते हैं। माह की शुरुवात धार्मिक मानसिकता की सूचक सिद्ध होगी। राजकीय सेवा से जुड़े हुये मामले भी आंशिक रुकावटों के साथ सम्पन्न होंगे। शत्रुओं पर आप द्वारा की जा रही शमनात्मक कार्यवाही का असर प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये नित्य स्वच्छ वस्त्र धारण करें। तारीख 9, 10, 11, 13, 14, 15, 20, 21, 22, शुभसूचक होंगी।

वृश्चिक:— तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू



शनि और चन्द्रमा का षडाष्टक योग शारीरिक एवं मानसिक कष्ट का सूचक सिद्ध होगा। वाहन प्रयोग करते समय सतर्कता अति आवश्यक रहेगी। युवा मित्र मन्डली से अधिकाधिक सहयोग प्राप्त करने में सफल सिद्ध होंगे। हास-परिहास मनोरंजक माहौल में व्यन्गात्मक शैली का प्रयोजन करें बेहतर रहेगा। आलसी प्रवृत्तियों को त्याग देना सामाजिक जीवन के लिये हितकर सिद्ध होगा। धन लाभ से जुड़ी हुयी गतिविधियां उन्नति मार्ग की ओर अग्रसर होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आंशिक प्रगतिकारक प्रतीत होंगे। माह का दूसरा सप्ताह बेहतरी का अहसास करा सकता है। अरिष्ट निवारण के लिये गुड़ के मीठे रोट बनाकर सुयोग्य पात्र को बांटे प्रगति होगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13, उत्तम सूचक सिद्ध होगी।

धनुः— ये, यो, भा, भी, भू, भे, ध, फ, ढ



इस माह में कुटुम्ब के सदस्यों के प्रति आपका आकर्षण लगातार बढ़ता प्रतीत होगा। व्यय भार के एकत्रित विभिन्न प्रकरण आपको ऋणग्रस्त होने की स्थिति तक पहुंचा सकते हैं। साहसिक निर्णय लेने के मामलों में मानसिक रूप से अग्रसर रहेंगे। माह की शुरुवात छोटे-छोटे व्यापार के लिये हितकर है। पेय पदार्थों का आप द्वारा सेवन लगातार बढ़ता प्रतीत होगा। उच्च डिग्री प्राप्त करने की दिशा में किये जा रहे प्रयोग लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। विवादित बयानबाजी तथा विवादित कार्यशैली से परहेज करें बेहतर रहेगा। माह का दूसरा सप्ताह कई महत्वपूर्ण मामलों को गतिशीलता देता प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये नित्य गले में सोने की चेन धारण करें। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 13, 14, 15 बेहतर है।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी



कठोरतम भाषा-शैली के प्रयोग के चलते पारिवारिक सदस्यों से वैचारिक मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों के साथ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने की जिज्ञासा मन से बाहर आयेगी। जीवन संगिनी के साथ बिताया हुआ यह माह यादगार सिद्ध होगा। असमंजस की स्थिति में लिये गये निर्णय आपकी परेशानी का सबब बन सकते हैं। किसी घरेलू मांगलिक हित साधन में सफल सिद्ध होंगे। अनायास माह के दूसरे सप्ताह में किसी धार्मिक कार्य में अवरोध आयेंगे। साहसिक निर्णय लेने की प्रवृत्तियां जाग्रत रहेंगी। अरिष्ट निवारण के लिये काले उरद कबूतरों को खिलायें। तारीख 1, 2, 3, 8, 9, 10, 12, 13 शुभप्रद है।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द



सरदर्द, ज्वर आदि से शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। क्रोध की अधिकता के चलते कुटुम्ब के सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं की संख्या में लगातार बढ़ोत्तीर आपको चिन्तित करेगी। सार्थक तथा निरर्थक दोनों तरह के कार्यों में खर्च की सीमारेखा निर्धारित करना कठिन कार्य सिद्ध होगा। माह का तीसरा सप्ताह राजद्वारीय मामलो में प्रगति सूचक है। लिखने पढ़ने से जुड़े हुये कामकाज आंशिक लाभकारक प्रतीत होंगे। यात्रा के दौरान अधिकाधिक सतर्कता बरतना हितकर होगा। सामाजिक स्थल पर संयमित वाणी का प्रयोग करें बेहतर रहेगा। अरिष्ट निवारण के लिये रात्रि में सुरमा लगायें उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। तारीख 3, 4, 5, 11, 12, 13, 14, 15, 16 बेहतरी का अहसास करोगी।

मीनः— दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची



सर्दी-गर्मी से मिरित मौसम के चलते शारीरिक कष्ट का वातावरण बनता प्रतीत होगा। माह का द्वितीय सप्ताह व्यापारिक मामलो के लिये हितकर है। आय और व्यय में किसी तरह सन्तुलन स्थापित करने में सफल सिद्ध होंगे। अग्रज वर्ग का सानिध्य और सहयोग प्राप्त रहेगा। वित्त से जुड़े हुये मामलो में धीरे-धीरे लाभ की उम्मीद करना बेहतर रहेगा। संतान पक्ष के साथ आपकी निकटता आपके मनोबल को लगातार ऊँचा रखने का काम कर सकती है। माह का पहला सप्ताह भागदौड़ की अधिकता वाला प्रतीत होगा। अरिष्ट निवारण के लिये गुरु लीलामृत का पाठ करें। तारीख 6, 7, 8, 13, 14, 15, 16, 17 उत्तम कारक सिद्ध होगी।

माह के प्रमुख व्रत और त्यौहार:-

- 1- आमलकी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, इयमेव रंगभरी एकादशी, 01 मार्च, रविवार।
- 2- सोम प्रदोष द्वादशी व्रतम्, 02 मार्च, सोमवार।
- 3- चौमासी चौदस (जैन), 04 मार्च, बुधवार।
- 4- स्नान दानादि की पूर्णिमा, रात्रि मे 10 बजकर 26 मिनट पर होलिका दहन मूहूर्त, 05 मार्च, बृहस्पतिवार।
- 5- सर्वत्र होलिकोत्सव, रंगोत्सव, 06 मार्च शुक्रवार।
- 6- संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 09 बजकर 09 मिनट पर, शिवाजी जयन्ती, 09 मार्च, सोमवार।
- 7- रंग पंचमी, 10 मार्च, मंगलवार।
- 8- श्री शीतला अष्टमी, वर्षीतपारम्भः (जैन) 13 मार्च, शुक्रवार।
- 9- पापमोचिनी एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 16 मार्च, सोमवार।
- 10- पंचक प्रारम्भ, वृद्ध अंगारक पर्व (बुड़वा मंगल), 17 मार्च, मंगलवार।
- 11- प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, 18 मार्च, बुधवार।
- 12- काम महोत्सव चतुर्दशी, 19 मार्च, बृहस्पतिवार।
- 13- मन्वादि अमावसया, स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, चन्द्र संवत्सर 2071 की समाप्ति, 20 मार्च, शुक्रवार।
- 14- वासन्तिम नवरात्रारम्भः, चान्द्रसवत्सरारम्भः, चन्द्रर्शन मु0 30 समताकारक, 21 मार्च, शनिवार।
- 15- झूलेलाल जयन्ती, सिन्धारादूज मत्स्यावतार तृतीया, दिन मे 08 बजकर 56 मिनट पर पंचक समाप्त, 22 मार्च रविवार।
- 16- सौभाग्य सुन्दरी तृतीया व्रतम्, गणगौरी व्रत (राजस्थान) सरहुल बिहार मन्वादि तृतीया, 23 मार्च, सोमवार।
- 17- श्रीरामराज्य महोत्सव पंचमी, श्री पंचमी, श्री लक्ष्मी पूजन पंचमी, 24 मार्च, मंगलवार।
- 18- अन्नपूर्णा परिक्रमा, ताराअष्टमी, महाअष्टमी, निशापूजा, 27 मार्च, शुक्रवार।
- 19- श्रीराम नवमी, 28 मार्च, शनिवार।
- 20- नवरात्रव्रत का पारण, 29 मार्च, रविवार।
- 21- कामदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 31 मार्च, मंगलवार।



पंडित आनंद अवस्थी

पं० आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां
रायबरेली

डी-79, साउथ सिटी, लखनऊ एम०बी० नं०- 9450460208

----E-mail : pt.anand.awasthi@gmail.com